Total Pages : 7

2381-R

Second Year Arts (Regular) Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper–I

(काव्य)

Time allowed : Three Hours
Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

इकाई-I

1. **(i)** राममचन्द्रिका का कथानक किसके जीवन पर आधारित है?

(ii) मन बावरे अजहूं समुझि ..... । पंक्ति को पूरा कीजिए।

इकाई-II

(iii) देखैं छिति अम्बर जलै है चारि ओर छोर

तिन तरबर सब ही कौं रूप हर्‌या है।

निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iv) महाराणा भीमसेन के दरबार में कौन और कहाँ आया?

इकाई-III

(v) कवि भूषण को सम्मानित आश्रय किसने दिया?

(vi) 'नेही महा, ब्रजभाषा प्रवीन' काव्य को समझने के लिए ये किस कवि की विशेषता बतलाता है?

इकाई-IV

(vii) देव के अनुसार प्रभु कहाँ मिलते हैं?

(viii) बिहारी के अनुसार किस-किस की गति से एकसी समझनी चाहिए।

इकाई-V

(ix) रीतिकाल में वीर रस की काव्य रचना करने वाले कवि कौन से थे?

(x) काव्य-गुण किसे कहते हैं, किन्हीं दो काव्य-गुण के नाम लिखिये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सिंधु तर्‌यो उनका बनरा, तुम पै धनुरेख गई न तरी।

बाँधोई बाँधत सो न बन्यो, उत बानिधि बाँधि कै बात करी।।

श्री रघुनाथ-प्रताप की बात तुम्हैं दसकंठ न जानि परी।

तेलनि तूलनि चूँछ जरी न जरी, जरी लंक जराई जरी।

3. "केशव कृत रामचिन्द्रका में आए संवाद नाटकीयता का आनन्द देते हैं।"

कथन की समीक्षा पाठ्यपुस्तक में संकलित अंश के आधार पर कीजिए।

इकाई-II

4. 'सेनापति का ऋतु वर्णन अनूठा है।' सिद्ध कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सबन के ऊपर ही ठाड़ो रहिबे के जोग,

ताहि खरो कियो पंज-जारिन के नियरे।

जानि कै गैर मिसिल गुसैल गुसा धारि उर

कीन्हों न सलाम, न बचन बोले सियरै।।

इकाई-III

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आस करि आयो हु तो मैया पास रावरे मैं

गाढ़ हू के पास दुख दूरि बुटि-बुटिंगे।

कहै 'पदमाकर' कुरोग से संघाती तेऊ

गैल में चलत धूमि-धूमि धुरि-धुटिंगे।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतराति, वहै,

लड़कीली बानि आनि उर मैं आरिति है।

वहै गति लैन, औ बजावनि ललित बैन,

वहै हसि दैन, हियरा तैं न टरति है।।

इकाई-IV

8. 'देव काव्य' में आये अनुभूति और अभिव्यक्ति पक्ष को सोदाहरण उद्घाटित कीजिए।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

या अनुरागी चित्त की, गति समुझे नहिं कोय।

ज्यों-ज्यों डूबै स्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जल होय।

बड़े न हूजे गुनन बिन, बिरद बड़ाई पाय।

कहत धतूरे सौं कनक, गहनो गढ्यो न जाय।

इकाई-V

10. रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य से आप क्या समझते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

11. काव्य दोष किसे कहते हैं? सोदाहरण समझाइये।

खण्ड-स

इकाई-I

12. मतिराम के काव्य की विशेषताओं को सोदाहरण लिखिये।

इकाई-II

13. पद्माकर के गंगा-स्तवन को सोदाहरण लिखिये।

इकाई-III

14. घनानंद रीतिकालीन स्वच्छन्द काव्यधारा के कवि हैं, कथन की समीक्षा कीजिये।

इकाई-IV

15. 'बिहारी सतसई' की विशेषताओं को उदाहरण सहित लिखिये।

इकाई-V

16. रस के विभिन्न अवयवों का परिचय दीजिये।